श्री जीरावला पार्श्वनाथाय नमः **श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथाय नमः** **श्री महावीर स्वामिने नमः**

अनंत लब्धिनिधान श्री गौतमस्वामिने नमः

युगप्रधान दादा श्रीजिनदत्त-मणिधारी-कुशल-चंद्रसूरिसद्गुरुभ्यो नमः

राजस्थान की पुण्यधरा पर महावीर साधना केंद्र, जवाहर नगर, जयपुर के प्रांगण में
परमतारक देवाधिदेव स्फटिक रत्नमयी श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान एवं नीलम आदि प्रतिमाओं की
भव्यातिभव्य अंजनशलाका - प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना महोत्सव

सस्नेह भावभरा आमंत्रण

:: प्रतिष्ठाचार्य-निश्रा प्रदाता ::

प.पू. खरतरगच्छाचार्य अध्यात्मयोगी **श्री जिनमहेंद्रसागरसूरीश्वर जी म.सा.**
प.पू. उपाध्याय प्रवर युवामनीषी **श्री मनीषसागर जी म.सा.**

मरुधरज्योति तीर्थप्रभाविका **प.पू. श्री मणिप्रभा श्री जी म.सा.**

भव्य पंचाह्निका महोत्सव

निवेदक

श्री जैन श्वेताम्बर संघ (संस्था), महावीर साधना केंद्र, सेक्टर 4, जवाहर नगर, जयपुर

रत्नों से निर्मित भव्य प्रतिमाएँ - अंजनशलाका प्राण-प्रतिष्ठा

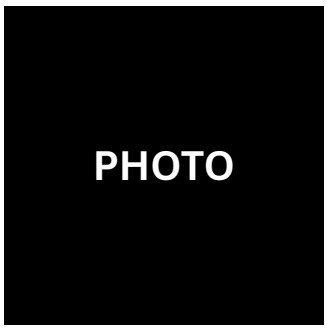

नीलम (सफायर) रत्नमयी
श्री मुनिसुव्रत स्वामी भगवान

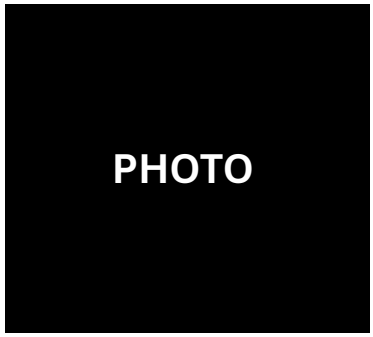

स्फटीक (क्रिस्टल) रत्नमयी
श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान

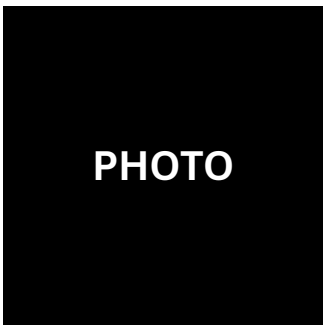

नीलम (सफायर) रत्नमयी
श्री नेमिनाथ भगवान

नीलम (सफायर) रत्नमयी दर्शनीय स्थापना

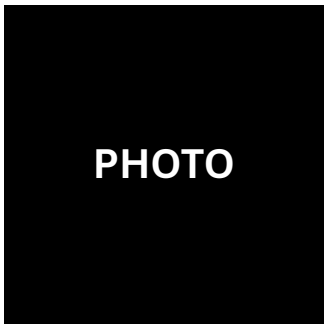

परमतारक श्री शांतिनाथ भगवान

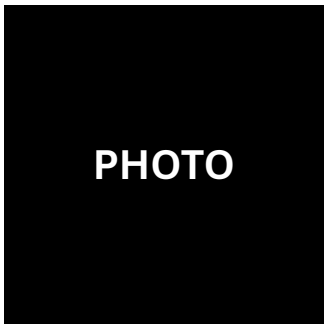

श्री पद्मप्रभु भगवान

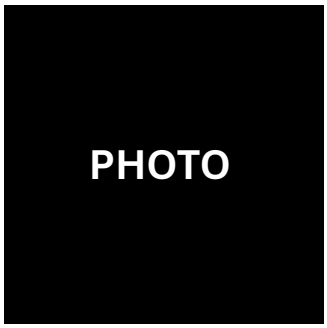

श्री साँचा सुमतिनाथ भगवान

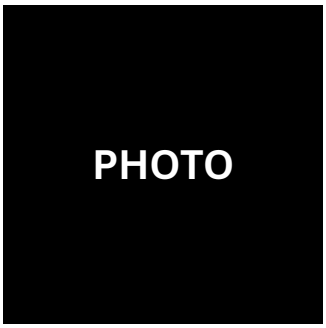

श्री चंद्रप्रभु भगवान

स्फटीक (क्रिस्टल) रत्नमयी अंजनशालाका चल प्रतिष्ठा

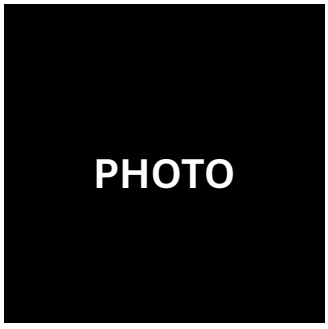

शासन नायक श्री महावीर स्वामी भगवान

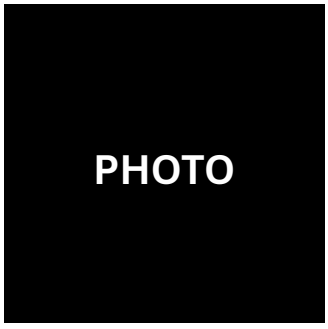

युगप्रधान दादा श्री जिनदत्तसूरि गुरुदेव

तस्मै श्री गुरवे नमः

:: आज्ञा प्रदाता ::

प.पू. खरतरगच्छाधिपति युग दिवाकर **श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.**

प.पू. खरतरगच्छाचार्य नमिऊण तीर्थ प्रणेता **श्री जिनपीयूषसागरसूरीश्वरजी म.सा.**
के प्रशिष्य रत्न

:: पावन निश्रा ::

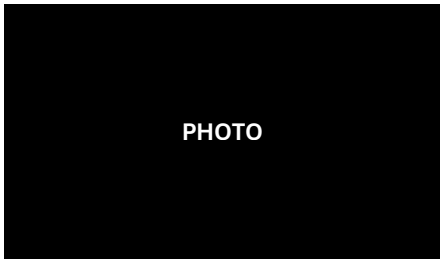

प.पू. खरतरगच्छाचार्य अध्यात्म योगी **श्री जिनमहेंद्रसागरसूरीश्वरजी म.सा.,**
प.पू. उपाध्याय प्रवर युवामनीषी **श्री मनीषसागरजी म.सा.,**
प.पू. श्री ऋषभसागर जी म.सा., प.पू. श्री वर्धमानसागर जी म.सा., प.पू. श्री ऋजुप्रज्ञसागर जी म.सा.,
प.पू. श्री विनम्रसागर जी म.सा., प.पू. श्री प्रशमसागर जी म.सा., प.पू. श्री हर्षवर्धनसागर जी म.सा.,
प.पू. श्री मैत्रीवर्धनसागर जी म.सा., प.पू. श्री जयवर्धनसागर जी म.सा., प.पू. श्री आत्मवर्धनसागर जी म.सा.,
प.पू. श्री गुणवर्धनसागर जी म.सा., प.पू. श्री यशोवर्धनसागर जी म.सा., प.पू. श्री जिनवर्धनसागर जी म.सा.,
प.पू. श्री योगवर्धनसागर जी म.सा., प.पू. श्री धैर्यवर्धनसागर जी म.सा.

:: पावन सान्निध्य ::

बीसवीं सदी की महान साध्वी जैन कोकिला प्रवर्तिनी महोदया प.पू. श्री विचक्षण श्री जी म.सा. की
सुशिष्या मरुधरज्योति तीर्थप्रभाविका **प.पू. श्री मणिप्रभाश्री जी म.सा. आदि ठाणा**

विधिविधान एवं मार्गदर्शक : अंतर्राष्ट्रीय विधिकारक **मनोज कुमार जी बाबूलाल जी हरण** (सिरोही वाले)

कमठे धरणेन्द्रे च, स्वोचितं कर्म कुर्वति। प्रभोस्तुल्य मनोवृत्तिः, पार्श्वनाथः श्रियेऽस्तु वः ।।

जिनधर्मानुरागी सुश्रावकवर्य !

प्रणाम सह जय जिनेन्द्र !

श्री जैन श्वेताम्बर संघ (संस्था), जवाहर नगर, जयपुर भारतवर्ष में के संपूर्ण जैन समाज में अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। यहाँ लगभग तीन दशक पूर्व श्वेताम्बर जैन समाज की एकता का शंखनाद किया गया एवं इसे मूर्त रूप देकर संस्था की स्थापना की गई। इसके प्रांगण में संपूर्ण श्वेताम्बर जैन समाज के विभिन्न पंथों के अनुयायी अपनी-अपनी मान्यतानुसार धार्मिक क्रियाएँ संपन्न करते हैं। महावीर साधना केंद्र, जवाहर नगर के अंडर ग्राउंड स्थित दादाबाड़ी में श्री महावीर स्वामी जी, मणिधारी गुरुदेव श्री जिनचंद्र सूरीश्वर जी की विशाल 71 इंच की खड़ी प्रतिमा (जो कि विश्वभर में प्रथम है), प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वर जी, तृतीय दादा गुरुदेव श्री जिनकुशलसूरीश्वर जी, अधिष्ठायक देव श्री नाकोड़ा भैरव जी की प्रतिष्ठा सन् 1990 में मरुधरमणि, उपाध्याय प्रवर श्री मणिप्रभसागर जी म.सा. की पावन निश्रा में संपन्न हुई। इस अवसर पर परम पूज्या श्री शशिप्रभाश्री जी म.सा. आदि ठाणा की गरिमामयी उपस्थिति से संघ लाभान्वित हुआ।

इसी केंद्र में लाल पाषाण युक्त शिखरबद्ध भव्य तीन मंजिले जिनालय में मूलनायक महावीर स्वामी, पार्श्वनाथ स्वामी, आदिनाथ स्वामी की परिकर युक्त भव्य प्रतिमाओं के साथ ही श्री गौतम स्वामी जी, श्री सुधर्मा स्वामी जी, श्री चक्रेश्वरी देवी जी, श्री पद्मावती देवी जी सहित श्री अंबिका देवी जी की प्रतिष्ठा सन् 2001 में राष्ट्रसंत आचार्य प्रवर श्री पद्मसागरसूरीश्वर जी म.सा. की पावन निश्रा में सम्पन्न हुई।

सन् 2011 में सम्मेद शिखरजी महातीर्थ, पालीताणा महातीर्थ के विशाल पट्ट (12' x 19') एवं पावापुरी तीर्थ के पट्ट भी यहाँ स्थापित किए गए हैं।

सन् 2013 में बरखेड़ा तीर्थोद्धारिका महात्तरा साध्वी प.पू. सुमंगला श्री जी, प.पू. प्रफुल्लप्रभा श्री जी म.सा. की पावन प्रेरणा व निश्रा में अधिष्ठायक देव श्री मणिभद्र बाबा, सम्मेद शिखर अधिष्ठायक श्री भोमिया जी एवं महान चमत्कारी श्री घंटाकर्ण महावीर जी की प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा संपन्न करवाई गई। प्रतिष्ठा कार्यक्रम में तपस्वी रत्न आचार्य प.पू. बसंत सूरीश्वर जी म.सा. की निश्रा भी प्राप्त हुई।

सन् 2015 में संघरत्ना सरलमना, सज्जनमणि श्री शशिप्रभाश्री जी म.सा. की पावन प्रेरणा से एवं उनकी निश्रा में श्री शांतिनाथ भगवान की अष्टधातु की मूर्ति, योगिराज श्री विजयशांतिसूरीश्वर जी, देवी लक्ष्मी जी, देवी सरस्वती जी, देवी सच्चायणि (ओसियाँ) जी माता आदि प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा संपन्न करवाई गई। दादाबाड़ी की कला दीर्घा को दादा गुरुदेव के जीवन के विशिष्ट चमत्कार के भव्य चित्र (पट्ट) से संवारा गया है।

सन 2020 में आचार्य श्री कुलचंद्र सूरीश्वर जी (K.C) म.सा. की प्रेरणा से भगवान महावीर के भवों का चित्रण के पट्ट लगवाए गए।

सन् 2022 में परम पूज्य अध्यात्मयोगी श्री महेन्द्रसागरजी म.सा., युवा मनीषी श्री मनीषसागरजी म.सा. एवं परम पूज्या श्री मणिप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में श्री जीरावला पार्श्वनाथ भगवान, श्री आदिनाथ भगवान, श्री महावीर स्वामी भगवान तथा श्री पद्मावती देवीजी की पन्ना (एमरल्ड) रत्न निर्मित दर्शनीय प्रतिमाओं की स्थापना सम्पन्न हुई।

आज पुनः यह सौभाग्यशाली संघ अपने इतिहास के एक स्वर्णिम एवं अविस्मरणीय अध्याय का साक्षी बनने जा रहा है। चपलावत परिवार के पुण्योदय एवं अनुपम धर्मभावना से श्री महावीर साधना केन्द्र में रत्नमयी प्रतिमाओं की भव्यातिभव्य अंजनशलाका प्रतिष्ठा एवं स्थापना महोत्सव का पावन आयोजन सम्पन्न होने जा रहा है। यह ऐतिहासिक एवं गौरवशाली आयोजन परम पूज्य खरतरगच्छाचार्य अध्यात्मयोगी श्री जिनमहेन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा., परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवामनीषी श्री मनीषसागरजी म.सा. एवं परम पूज्या तीर्थ प्रभाविका श्री मणिप्रभाश्री जी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में सम्पन्न होगा।

यह महोत्सव केवल श्री जैन श्वेताम्बर संघ, जवाहर नगर के लिए ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण जैन शासन के लिए परम हर्ष, गौरव एवं आध्यात्मिक उल्लास का अनुपम अवसर है। हम, सभी धर्मानुरागी श्रद्धालुओं से विनम्र अनुरोध करते हैं कि इस ऐतिहासिक महोत्सव में सपरिवार पधारकर अपनी मंगलमयी उपस्थिति से इस भव्यातिभव्य आयोजन एवं जैन शासन की शोभा, गरिमा और प्रभावना में अभिवृद्धि करें।

:: निवेदक ::

श्री जैन श्वेताम्बर संघ (संस्था), महावीर साधना केंद्र, सेक्टर 4, जवाहर नगर, जयपुर

अध्यक्ष	मंदिर एवं दादाबाड़ी व्यवस्थापक	प्रतिष्ठा संयोजक		सांस्कृतिक मंत्री	महामंत्री
विनोद सचेती	दीपक संघवी	प्रकाशचंद लोढ़ा	फतेहसिंह बरड़िया	अनुदीपक जैन	नितिन दुगड़
98290 58283	94143 39539	94146 05867	98290 51550	97824 99999	93145 65522

प्रिय एवं सम्माननीय आत्मजन,

सादर जय जिनेन्द्र।

आत्मा में केवल भाव होना ही पर्याप्त नहीं होता, अपितु उन भावों की पूर्णता के लिए पुण्योदय का होना भी आवश्यक है। तीर्थ हमारी श्रद्धा, आस्था एवं निष्ठा के सर्वोच्च केन्द्र हैं। वहाँ का पावन वातावरण, आध्यात्मिक चेतना एवं दिव्य स्पंदन आत्मा को धर्ममार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। वास्तव में वह जीवन धन्य है, जिसके मस्तक पर किसी तीर्थ की पावन रज का तिलक लगा हो।

एक ग्रंथ में सम्राट सम्प्रति द्वारा रत्नमयी जिनप्रतिमाओं के निर्माण एवं अंजनशलाका प्रतिष्ठा का प्रसंग पढ़कर मेरे अन्तर्मन में भी ऐसी ही भावना जागृत हुई। तत्पश्चात् श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ के दर्शन-वंदन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रभु के चरणों में भाव-विभोर होकर मन में संकल्प जागा कि यदि गुरुकृपा और पुण्योदय साथ दें, तो हम भी रत्नमयी जिनप्रतिमाओं का निर्माण कराकर जिनालय में विराजमान करने का पुण्य प्राप्त करें।

इसी बीच परम पूज्य खरतरगच्छाचार्य अध्यात्मयोगी श्री जिनमहेन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा. के श्रीचरणों में दर्शन-वंदन का सौभाग्य मिला। सहज ही मेरे मुख से निवेदन निकला—"गुरुदेव! यदि आपकी कृपा रहे तो वर्ष 2026 में चातुर्मास जवाहर नगर, जयपुर व अंजनशलाका-प्रतिष्ठा महोत्सव का लाभ हमें प्राप्त हो।" उस समय न तो किसी प्रतिमा की तैयारी थी और न ही ऐसी कोई योजना थी, किन्तु गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद, उनके आश्वासन एवं जिनशासन की असीम कृपा से धीरे-धीरे सब कुछ साकार होता चला गया।

गुरुकृपा से नीलम की रत्नमयी श्री शांतिनाथ भगवान, श्री सुमतिनाथ भगवान, श्री पद्मप्रभु भगवान, श्री चन्द्रप्रभु भगवान, श्री मुनिसुव्रत स्वामी भगवान एवं श्री नेमिनाथ भगवान की दिव्य प्रतिमाओं का निर्माण हुआ। साथ ही स्फटिक (क्रिस्टल) से निर्मित श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान, श्री महावीर स्वामी भगवान एवं दादा गुरुदेव की प्रतिमाएँ भी तैयार हुईं।

इस पुण्य कार्य में मेरी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा चपलावत, पुत्र राहुल, पुत्रवधू साक्षी एवं सम्पूर्ण परिवार की श्रद्धा, समर्पण और सहयोग निरन्तर साथ रहा। हमारी हार्दिक भावना है कि ये सभी दिव्य प्रतिमाएँ श्री जैन श्वेताम्बर संघ (लाल जैन मन्दिर), जवाहर नगर, जयपुर में विराजमान होकर अनन्त श्रद्धालुओं को दर्शन, पूजन एवं आराधना का लाभ प्रदान करें।

यह पावन अंजनशलाका-प्रतिष्ठा महोत्सव परम पूज्य आचार्य श्री जिनमहेन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा., परम पूज्य उपाध्याय प्रवर श्री मनीषसागरजी म.सा. आदि ठाणा तथा पूज्या प्रवर्तिनी श्री विचक्षणश्री जी म.सा. की सुशिष्या मरुधरज्योति प.पू. श्री मणिप्रभाश्री जी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में सम्पन्न होने जा रहा है।

हमारे अन्तर्मन की हार्दिक भावना है कि आप सभी के पुण्योदय एवं मंगल आशीर्वाद से यह जिनालय भविष्य में भारत के प्रख्यात जैन तीर्थों में अपना गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त करे तथा अनन्त आत्माओं के धर्मकल्याण का माध्यम बने।

चपलावत परिवार की ओर से आप सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से भावभरा अनुरोध है कि शनिवार 5 दिसम्बर 2026 को आयोजित रत्नों की प्रतिमा का भव्य वरघोड़ा महोत्सव तथा रविवार 6 दिसम्बर 2026 को अंजनशलाका-प्रतिष्ठा, स्थापना एवं धर्मसभा के पावन अवसर पर सपरिवार पधारकर अपनी मंगलमयी उपस्थिति एवं अनुमोदना प्रदान करें।

आपकी पावन उपस्थिति ही हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद एवं इस पुण्य महोत्सव की सार्थकता होगी।

निवेदक
ललित-कृष्णा चपलावत
राहुल-साक्षी चपलावत

PHOTO

जय जिनेन्द्र

PHOTO

यह समस्त पुण्यकार्य हमारे पूज्य स्वर्गीय माता-पिता श्रद्धेय श्री उत्तमचन्द जी एवं
श्रद्धेया श्रीमती सुशीला देवी जी की पावन पुण्य स्मृति को सादर समर्पित हैं।
उनके संस्कार, आशीर्वाद एवं प्रेरणा ही हमारे लिए इस धार्मिक सेवा का आधार रहें हैं।

पंचाह्निका महोत्सव
मंगलकारी कार्यक्रम

पवित्रता दायक प्रथम दिवस
मिगसर वदी 10 | गुरुवार | 03 दिसम्बर 2026
सुबह 7.00 बजे से
- कुम्भ एवं दीपक स्थापना, ज्वारारोपण
सुबह 8.30 बजे से
- पाटला पूजन
दोपहर 2.30 बजे से
- च्यवन कल्याणक विधान

दिव्यता दायक द्वितीय दिवस
मिगसर वदी 11 | शुक्रवार | 04 दिसम्बर 2026
सुबह 7.00 बजे से
- जन्म कल्यानक विधान
सुबह 9.00 बजे से
- 250 अभिषेक व 18 अभिषेक विधान
दोपहर 2.30 बजे से
- जन्म बधाई, नाम स्थापना, पाठशाला गमन, विवाह महोत्सव एवं राज्य अभिषेक

तृप्ति दायक तृतीया दिवस
मिगसर वदी 12 | शनिवार | 05 दिसम्बर 2026
सुबह 7.00 बजे से
- दीक्षा विनंती एवं दीक्षा स्नान
- नवकारसी - 7:45 बजे से
(स्थान - वीर छत्रसाल पार्क, सेक्टर 1, जवाहर नगर, जयपुर)
सुबह 8.30 बजे से
- भव्य वरघोड़ा 1 क 16, जवाहर नगर, जयपुर से
- धर्मसभा 10:30 बजे से
- साधर्मीवात्सल्य - 12 बजे से
दोपहर 2.30 बजे से
- दीक्षा कल्याणक महोत्सव
परमात्म भक्ति
- रात्रि 7.30 बजे से
मध्य रात्रि
- अधिवासना एवं अंजनशलाका विधान

चतुर्गति नाशक चतुर्थ दिवस
मिगसर वदी 13 | रविवार | 06 दिसम्बर 2026
प्रातः काल में
- प्रथम दर्शन, देशना एवं निर्वाण कल्याणक विधान
- नवकारसी - 7:45 बजे से 9 बजे तक
प्रातः 9.00 बजे से
- भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव तत्पश्चात् धर्मसभा
- साधर्मीवात्सल्य - 12 बजे से
दोपहर 3:00 बजे से
- लघु शांति स्नात्र पूजन

परमपद दायक पंचम दिवस
मिगसर वदी 14 | सोमवार | 07 दिसम्बर 2026
प्रातः 5.30 बजे
- द्वारोद्घाटन एवं अष्टप्रकारी
प्रातः 9:00 बजे से
- सत्तरभेदी पूजा
प्रातः 10:30 बजे से
- दादागुरुदेव पूजा

मूर्ति भराई, अंजनशलाका-प्रतिष्ठा, स्थापना, देहरी, परिकर एवं भव्यातिभव्य महोत्सव के सम्पूर्ण लाभार्थी

PHOTO

हमारे प्रेरणा स्रोत

PHOTO

स्व. श्री उत्तम चंद जी चपलावत

स्व. श्रीमती सुशीला देवी चपलावत

स्व. श्री उत्तमचंद जी – स्व. श्रीमती सुशीला देवी चपलावत के आत्मश्रेयार्थ

(पुत्र एवं पुत्रवधू)

श्री ललित कुमार जी – श्रीमती कृष्णा जी
श्री प्रदीप कुमार जी – श्रीमती प्रमिला जी

(पौत्र एवं पौत्रवधू)

राहुल जी – साक्षी जी
सौरभ जी

(पड़ पौत्री)

आयशा, अरिशा

एवं समस्त चपलावत परिवार

कार्यक्रम स्थल

QR CODE

LIVE
प्रतिष्ठा महोत्सव

QR CODE

हमारे घर से उमंग से.... आपके पधारने का...
उपस्थित रहने का... निमंत्रण देते हैं।

आप भी होंगे... हम भी होंगे....
स्नेहभरा निमंत्रण... स्वीकारो हमारा

जय जिनेन्द्र सा...

श्री जैन श्वेताम्बर संघ (संस्था), जवाहर नगर, जयपुर की आज्ञा से

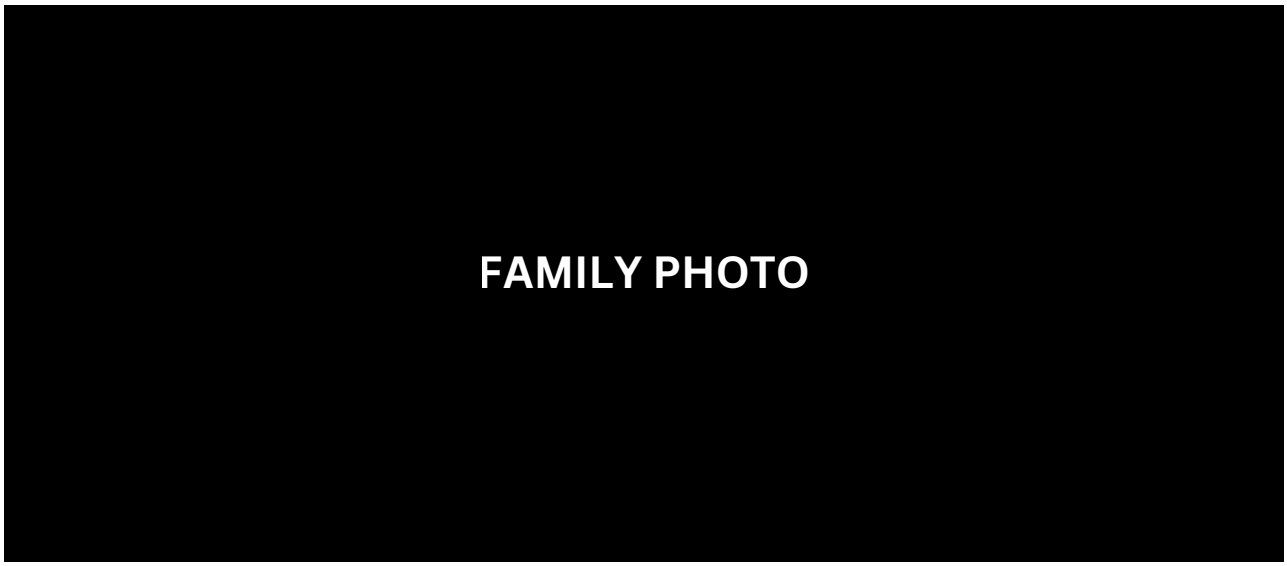

अंतर्मन से निमंत्रण है, आपको...

श्रीमती पद्मादेवी, मिलापचंद-भारती, हरिशचंद-सुनीता, रिखबचंद-रजनी,
ललित कुमार–कृष्णा, प्रदीप कुमार–प्रमिला,
राहुल–साक्षी, सौरभ, आयशा, अरिशा
एवं समस्त चपलावत परिवार

श्रीमती मधु जी – स्व. श्री नरेंद्र जी सेठ, श्रीमती निशा जी – श्री दुर्लभ सिंह जी मेहता
श्रीमती रेखा जी – श्री मदन जी भंडारी

(पुत्री-पुत्रीदामाद)

श्रीमती रूपल जी – श्री शुभम जी अरोड़ा, श्रीमती साक्षी जी – श्री अक्षित जी भंसाली

(पौत्री-पौत्रीदामाद)

कपिल-अर्चना सेठ, मोहित-नीलू सेठ, नितिन मेहता, नमन-अदिति भंडारी, आशीष-एश्वर्या भंडारी

(दोहिता-दोहितावधु)

हर्षिता मेहता (दोहिती), आन्या, अविका, भविशा, अदिरा (पड़-दोहिती)

का सकल श्री संघ को सादर जय जिनेन्द्र